अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट

पूर्वोत्तर भारत के पर्यटन को अंतर्राष्ट्रीय ऊंचाइयों तक ले जाना

उत्तर-पूर्व को देश के अन्य विकसित क्षेत्रों के बराबर लाना मेरा दृढ़ विश्वास है।

- प्रधानमत्री श्री नरेंद्र मोदी[1]

पूर्वोत्तर भारत, जिसे अक्सर "सात बहनों और सिक्किम की भूमि" कहा जाता है, अद्वितीय सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लुभावने प्राकृतिक परिदृश्य का क्षेत्र है। इसकी हरी-भरी घाटियाँ, बर्फ से ढकी चोटियाँ और जीवंत परंपराएँ इसे रोमांच और सांस्कृतिक गहनता चाहने वाले यात्रियों के लिए स्वर्ग जैसा बनाती हैं। इस मनमोहक क्षेत्र की अपार पर्यटन संभावनाओं को उजागर करने के लिए, कल से शुरू होने वाला अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट (आईटीएम) 2024, काजीरंगा, असम में 26 से 29 नवंबर, 2024 तक फोकस में रहेगा।

विरासत से क्षितिज तक: आईटीएम की यात्रा

अपनी स्थापना के बाद से, अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट (आईटीएम) पूर्वोत्तर भारत की जीवंत संस्कृतियों, आश्चर्यजनक नज़ारों और समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रमुख मंच बन गया है। पहली बार आईटीएम का उद्घाटन असम के **तत्कालीन राज्यपाल श्री जानकी बल्लव पटनायक ने 19 जनवरी 2013** को सांस्कृतिक समारोहों के बीच गुवाहाटी में किया था। पर्यटन मंत्रालय द्वारा

[1] https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2023/apr/doc2023424185201.pdf

प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला यह कार्यक्रम पूर्वोत्तर राज्यों के बीच आयोजित होता रहता है, जिससे क्षेत्रीय हितधारकों और घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के बीच संबंधों को बढ़ावा मिलता है।[2]

21 से 23 नवंबर 2023 तक मेघालय के शिलांग में आयोजित 2023 संस्करण में क्षेत्र के विविध पर्यटन उत्पादों, जैव विविधता और स्थानीय परंपराओं, कला, नृत्य और शिल्प जैसी अद्वितीय अमूर्त विरासत पर प्रकाश डाला गया। 2024 में आयोजित 12वां संस्करण पूर्वोत्तर भारत को अवश्य घूमने लायक गंतव्य के रूप में उजागर करने, स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देने और इसकी वैश्विक पहुंच का विस्तार करने के पिछले प्रयासों पर आधारित होगा।

आईटीएम 2024: पूर्वोत्तर के आश्चर्यों का प्रवेश द्वार[3]

2024 में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट (आईटीएम) का 12वां संस्करण पूर्वोत्तर भारत के अद्वितीय आकर्षण को उजागर करने, स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र को पूर्वी और दक्षिणपूर्वी एशिया के प्रवेश द्वार के रूप में स्थापित करने के लिए तैयार है। यह खास कार्यक्रम घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय टूर ऑपरेटरों, होटल व्यवसायियों, होमस्टे मालिकों, प्रभावशाली लोगों, ओपिनियन लीडर्स और सरकारी अधिकारियों सहित लगभग 400 प्रतिभागियों को एक साथ एक मंच पर लाएगा।

तीन दिवसीय मार्ट में राज्य प्रस्तुतियाँ, बी2बी बैठकें, पैनल चर्चाएँ, सांस्कृतिक संध्याएँ, लाइव संगीत, भोजन प्रदर्शन और एक उत्तर पूर्व बाज़ार शामिल होंगे। प्रतिभागियों को चराइदेव मोइदाम (भारत का नवीनतम यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल), काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (राष्ट्रीय उद्यान के रूप में 50 वर्ष पूरे होने का जश्न), हाथीकुली टी एस्टेट और ऑर्किड तथा जैव विविधता पार्क जैसे प्रतिष्ठित स्थलों की तकनीकी यात्राओं में भी शामिल होने का मौका मिलेगा।

पर्यटन मंत्रालय की, जीवन यात्रा पहल के अनुरूप, आईटीएम 2024 स्थिरता, ऊर्जा-कुशल प्रथाओं को नियोजित करने, एकल-उपयोग प्लास्टिक को खत्म करने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए शटल सेवाएं प्रदान करने पर जोर देगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अपने वैश्विक पर्यटन पदचिह्न का विस्तार करने के लिए हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देते हुए पूर्वोत्तर की जीवंत संस्कृति, जैव विविधता और विरासत का जश्न मनाना है।

पूर्वोत्तर पर्यटन को बढ़ावा देना: प्रमुख पहल और योजनाएं

---

[2] https://pib.gov.in/newsite/PrintRelease.aspx?relid=91689

[3] https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2076058#:~:text=The%2012th%20edition%20of%20International,%2C%202024%20in%20Kaziranga%2C%20Assam

पर्यटन मंत्रालय ने पूर्वोत्तर भारत की पर्यटन क्षमता को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट (आईटीएम) से परे कई पहलों की शुरूआत की हैं। ये प्रयास सतत् और समावेशी विकास के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बुनियादी ढांचे में वृद्धि और समग्र प्रचार पर केंद्रित हैं।

प्रमुख योजनाओं में शामिल हैं:

- **स्वदेश दर्शन 2.0:** स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0) योजना के तहत पूर्वोत्तर भारत में टिकाऊ और जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय आवंटन किए गए हैं। पूरे क्षेत्र में सांस्कृतिक, एडवेंचर और पर्यावरण-पर्यटन अनुभवों को बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न परियोजनाओं के लिए धनराशि जारी की गई है।

Swadesh Darshan 2.0

Sr. No.	State / UT	Destination	Interventions Name	(Rs. in Crore) Sanctioned Cost
1	Sikkim	Gangtok	Gangtok Cultural Village	22.59
2	Meghalaya	Sohra	Meghalayan age Cave Experience	32.45
3	Arunachal Pradesh	Mechuka	Mechuka Cultural Haat	18.48
4	Assam	Kokrajhar	Kokrajhar Wetland Experience	26.67
5	Assam	Jorhat	Reimagining Cinnamara Tea Estate	23.91
6	Sikkim	Gyalshing	Eco-Wellness Experience at Yuksom Cluster	15.40
7	Arunachal Pradesh	Nacho	Unlock Nacho Expedition	14.02
8	Arunachal Pradesh	Mechuka	Mechuka Adventure Park	12.75
9	Meghalaya	Sohra	Waterfall Trails Experience	27.84
10	Nagaland	Chumoukedima	Tribal Cultural Experience at Midway Retreat	21.56

Source: Loksabha Question No. 959: 29.07.2024

- **प्रशाद (तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान):** वर्ष 2014-2015 में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य पूर्ण धार्मिक पर्यटन अनुभव प्रदान करने के लिए तीर्थ स्थलों को प्राथमिकता, योजनाबद्ध और टिकाऊ तरीके से एकीकृत करना है। पूरे पूर्वोत्तर भारत में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण धनराशि जारी की गई है।

PRASHAD Scheme

(Rs. in Crore)

Sr. No.	Name of the State	Project Name	Sanctioned Year	Sanctioned Cost	Released Cost
1	Arunachal Pradesh	ParshuramKund, LohitDistt.	2020-21	37.88	21.95
2	Assam	Kamakhya Temple and Pilgrimage Destination in and around Guwahati	2015-16	29.80	29.80
3	Meghalaya	Pilgrimage Facilitation in Meghalaya	2020-21	29.29	24.92
4	Mizoram	Infrastructure for Pilgrimage and Heritage Tourism in the State of Mizoram	2022-23	44.89	6.52
5	Nagaland	Pilgrimage Infrastructure in Nagaland	2018-19	25.20	21.33
6	Nagaland	Pilgrimage Tourism Infrastructure at Zunheboto	2022-23	18.18	10.90
7	Sikkim	Pilgrimage Facilitation at Four Patron Saints, Yuksom	2020-21	33.32	28.31
8	Tripura	Tripura Sundari Temple, Udaipur	2020-21	37.80	25.62

- **उड़ान-आरसीएस योजना:**[4] आरसीएस-उड़ान योजना (क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना - उड़े देश का आम नागरिक), 27 अप्रैल 2017 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शिमला-दिल्ली उड़ान के साथ शुरू की गई, जिसका उद्देश्य वंचित क्षेत्रों में हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाना है। उड़ान 4.0, हेलीकॉप्टर सेवाओं सहित पूर्वोत्तर, पहाड़ी राज्यों और द्वीपों पर केंद्रित है। पासीघाट, जीरो, होलोंगी और तेजू जैसे हवाई अड्डों ने पहुंच में सुधार करके पूर्वोत्तर पर्यटन को बढ़ावा दिया है।
- आगंतुकों को एक समृद्ध पर्यटन अनुभव प्रदान करने के लिए पर्यटन से संबंधित बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के विकास के लिए **पर्यटन बुनियादी ढांचे के विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता** शुरू की गई है। पर्यटन अवसंरचना विकास योजना के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता के तहत, पूरे पूर्वोत्तर भारत में पर्यटन से संबंधित बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण धनराशि आवंटित की गई है। पूर्वोत्तर राज्यों में 22 व्यूप्वाइंट्स के विकास के लिए 44.44 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे, जिसमें 27.06 करोड़ रुपए पहले ही उपयोग किए जा चुके हैं। इन निवेशों का उद्देश्य क्षेत्र में पहुंच और पर्यटन अपील को बढ़ावा देना है।[5]

---

[4] https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2066529

[5] https://tourism.gov.in/sites/default/files/2024-07/usq.959%20for%2029.07.2024.pdf

- **मेलों/त्योहारों/पर्यटन संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए सहायता:**[6] पर्यटन मंत्रालय मेलों, त्योहारों और पर्यटन से जुड़े कार्यक्रमों को समर्थन देने के लिए आतिथ्य योजना सहित घरेलू प्रचार और संवर्धन के तहत प्रति राज्य 80 लाख रुपए और प्रति केंद्रशासित प्रदेश 50 लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान करता है। वर्ष 2023-24 में, विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में कुल 212.35 लाख रुपए आवंटित किए गए थे, जिसमें लगभग 82 लाख रुपए विशेष रूप से मेघालय, नागालैंड और त्रिपुरा में आकर्षक मेलों और त्योहारों के आयोजन के लिए जारी किए गए थे।

Amount Released for Fairs & Festival (2023-24)

Meghalaya	Nongkrem Dance Festival	25.00
Tripura	Neemahal Festival	9.80
	Diwali festival	9.55
	Chabimura festival	3.00
Nagaland	Autumn festival	10.00
	Cuisine Music Festival at Naga Heritage Village, Kisama	25.00

Rs. In lakhs

- देश में टिकाऊ पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 27 सितंबर 2023 को **Travel for LiFE पहल** शुरू की गई थी। पर्यटन संसाधनों की खपत में पर्यटकों और पर्यटन व्यवसायों के प्रति जागरूक और जानबूझकर किए गए कार्यों के माध्यम से, ट्रैवल फॉर लाइफ पहल का उद्देश्य देश में स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देना है।

इन पहलों का उद्देश्य स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाते हुए पूर्वोत्तर भारत को एक जीवंत, टिकाऊ पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करना है। इस तरह के प्रयास क्षेत्र की अपार पर्यटन क्षमता को

[6] https://tourism.gov.in/sites/default/files/2024-08/MOT%20Annual%20Report_2023-24_English%20Final.pdf

उजागर करने और इसकी अद्वितीय सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

निष्कर्ष

पूर्वोत्तर भारत, अपने आश्चर्यजनक परिदृश्यों, समृद्ध विरासत और जीवंत परंपराओं के साथ, एक ऐसा खजाना है, जो अपने अनूठे तोहफे पेश करने के लिए तैयार है। आईटीएम 2024, स्वदेश दर्शन 2.0, प्रशाद, उड़ान-आरसीएस और ट्रैवल फॉर लाइफ कार्यक्रम जैसी पहल इस क्षेत्र की पर्यटन क्षमता को लोगों के सामने रख रही हैं। ये प्रयास बुनियादी ढांचे में सुधार कर रहे हैं, संपर्क को बढ़ावा दे रहे हैं और पूर्वोत्तर के अद्वितीय आकर्षण को दुनिया के सामने प्रदर्शित कर रहे हैं। आधुनिक पर्यटन को सांस्कृतिक संरक्षण के साथ जोड़कर, ये पहल न केवल आगंतुकों को आकर्षित कर रही हैं, बल्कि स्थानीय समुदायों के लिए अवसर भी पैदा कर रही हैं। पूर्वोत्तर निरंतर एक पसंदीदा गंतव्य बनता जा रहा है, जो स्थायी और समावेशी तरीके से अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करता है।

संदर्भ

- https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2076058#:~:text=The%2012th%20edition%20of %20International,%2C%202024%20in%20Kaziranga%2C%20Assam.
- https://pib.gov.in/newsite/PrintRelease.aspx?relid=91689
- https://tourism.gov.in/sites/default/files/2024-08/usq.2289%20for%2005.08.2024.pdf (Swadesh Darshan Scheme budget allocation)
- https://tourism.gov.in/sites/default/files/2024-08/MOT%20Annual%20Report_2023-24_English%20Final.pdf
- https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2066529

एमजी/ केसी/एनएस